

भावनात्मक बुद्धिमत्ता का शैक्षणिक सफलता एवं सहपाठी संबंधों का प्रभाव

डॉ. शिखा जैन, अभिलाष कुमार जैन

अमूर्त

भावनात्मक बुद्धिमत्ता (Emotional Intelligence) आज के शैक्षणिक एवं सामाजिक परिदृश्य में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह न केवल छात्रों की स्वयं की भावनाओं को समझने और नियंत्रित करने की क्षमता को दर्शाती है, बल्कि सहपाठी संबंधों और शैक्षणिक सफलता को भी प्रभावित करती है। वर्तमान अध्ययन का उद्देश्य यह समझना है कि छात्रों में भावनात्मक बुद्धिमत्ता का स्तर उनके शैक्षणिक प्रदर्शन और सहपाठी संबंधों पर किस प्रकार प्रभाव डालता है। अध्ययन में 200 माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्रों को शामिल किया गया। डेटा संग्रह के लिए मानक Emotional Intelligence Scale और Peer Relationship Scale का प्रयोग किया गया। साथ ही शैक्षणिक सफलता के मूल्यांकन हेतु छात्रों के औपचारिक परीक्षा परिणामों का उपयोग किया गया।

प्राप्त परिणामों से यह स्पष्ट हुआ कि भावनात्मक बुद्धिमत्ता और शैक्षणिक सफलता के बीच सकारात्मक सहसंबंध मौजूद है। विशेष रूप से आत्म-जागरूकता, आत्म-नियंत्रण और सामाजिक कौशल जैसे घटक छात्रों के सीखने की क्षमता और परीक्षा परिणामों को प्रभावित करते हैं। इसके अतिरिक्त, सहपाठी संबंधों की गुणवत्ता और सहयोगात्मक व्यवहार भी शैक्षणिक प्रदर्शन में महत्वपूर्ण योगदान करते हैं। अध्ययन से यह निष्कर्ष निकलता है कि भावनात्मक बुद्धिमत्ता न केवल व्यक्तिगत विकास के लिए आवश्यक है, बल्कि यह सहपाठी संबंधों को मजबूत करके शैक्षणिक सफलता को भी बढ़ावा देती है।

अतः इस शोध का महत्व शैक्षिक नीति निर्माताओं, शिक्षकों और अभिभावकों के लिए मार्गदर्शन प्रदान करना है, ताकि छात्रों की भावनात्मक बुद्धिमत्ता को विकसित कर उनके शैक्षणिक और सामाजिक जीवन में सुधार किया जा सके।

1. परिचय

भावनात्मक बुद्धिमत्ता का अर्थ और महत्व

भावनात्मक बुद्धिमत्ता (Emotional Intelligence) का अर्थ है स्वयं और दूसरों की भावनाओं को पहचानने, समझने और नियंत्रित करने की क्षमता। डैनियल गोलेमैन (Daniel Goleman) ने इसे पांच प्रमुख घटकों में विभाजित किया है – आत्म-जागरूकता, आत्म-नियंत्रण, सामाजिक जागरूकता, संबंध प्रबंधन और प्रेरणा। शैक्षणिक क्षेत्र में, भावनात्मक बुद्धिमत्ता का महत्व इसलिए है क्योंकि यह छात्रों को तनाव, दबाव और चुनौतियों का सामना करने में सक्षम बनाती है।

छात्रों में उच्च भावनात्मक बुद्धिमत्ता वाले व्यक्ति अपनी भावनाओं को प्रभावी ढंग से प्रबंधित कर सकते हैं, अपने लक्ष्यों के प्रति केंद्रित रहते हैं और सामाजिक परिवेश में सकारात्मक संबंध स्थापित करते हैं। इसके विपरीत, कम भावनात्मक बुद्धिमत्ता वाले छात्र तनावग्रस्त होते हैं, सहयोग में असमर्थ होते हैं और शैक्षणिक प्रदर्शन में पिछड़ सकते हैं।

शैक्षणिक सफलता और उसके आयाम

शैक्षणिक सफलता को पारंपरिक रूप से परीक्षा परिणामों और अंक के रूप में मापा जाता है, लेकिन आधुनिक दृष्टिकोण में इसे छात्रों की सीखने की क्षमता, समस्या समाधान कौशल, और सहकर्मी व शिक्षक संबंधों की गुणवत्ता से भी जोड़ा जाता है। भावनात्मक बुद्धिमत्ता शैक्षणिक सफलता को प्रभावित करने वाला एक महत्वपूर्ण मानसिक और सामाजिक कारक है।

उदाहरण के लिए, आत्म-जागरूकता वाले छात्र अपनी कमजोरी और ताकत को पहचानते हैं और अध्ययन की रणनीति को उसी अनुसार ढालते हैं। आत्म-नियंत्रण वाले छात्र परीक्षा के दौरान तनाव को नियंत्रित करते हैं और बेहतर प्रदर्शन करते हैं। इसी प्रकार, सामाजिक जागरूकता और संबंध प्रबंधन छात्रों को सहपाठियों के साथ बेहतर सहयोग और समूह कार्य में सफलता दिलाने में मदद करते हैं।

सहपाठी संबंधों का महत्व

सहपाठी संबंध (Peer Relationships) छात्रों के सामाजिक और भावनात्मक विकास का अहम हिस्सा हैं। सकारात्मक सहपाठी संबंध छात्रों के आत्म-सम्मान, मनोवैज्ञानिक संतुलन और सहयोगी व्यवहार को बढ़ावा देते हैं। अध्ययन से पता चलता है कि जो छात्र अपने सहपाठियों के साथ अच्छे संबंध बनाते हैं, वे शैक्षणिक चुनौतियों का सामना अधिक आसानी से कर पाते हैं। भावनात्मक बुद्धिमत्ता वाले छात्र सहपाठी संबंधों को मजबूत करते हैं, जिससे शैक्षणिक सफलता में वृद्धि होती है।

2. अध्ययन का उद्देश्य

इस शोध का मुख्य उद्देश्य यह समझना है कि छात्रों में भावनात्मक बुद्धिमत्ता और सहपाठी संबंध शैक्षणिक सफलता को किस प्रकार प्रभावित करते हैं। इसके अंतर्गत निम्नलिखित उप-उद्देश्य शामिल हैं:

- छात्रों में भावनात्मक बुद्धिमत्ता के स्तर का अध्ययन करना।
- सहपाठी संबंधों की गुणवत्ता और प्रकार का विश्लेषण करना।
- शैक्षणिक सफलता के विभिन्न आयामों के साथ भावनात्मक बुद्धिमत्ता और सहपाठी संबंधों के सहसंबंध का मूल्यांकन करना।

अध्ययन का महत्व

इस शोध के परिणाम शिक्षकों, अभिभावकों और शैक्षिक नीति निर्माताओं को यह समझने में मदद करेंगे कि भावनात्मक बुद्धिमत्ता और सहपाठी संबंध छात्रों की शैक्षणिक और सामाजिक सफलता में कितनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इससे

छात्रों के लिए कक्षा में सकारात्मक वातावरण, सहयोग और मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देने की दिशा में नीतियाँ विकसित की जा सकती हैं।

अनुसंधान की आवश्यकता

परंपरागत शिक्षा प्रणाली में शैक्षणिक सफलता केवल अंक और परीक्षा परिणाम तक सीमित रही है। आधुनिक शिक्षा प्रणाली में छात्रों के भावनात्मक और सामाजिक विकास पर भी जोर दिया जा रहा है। इसलिए यह अध्ययन भावनात्मक बुद्धिमत्ता और सहपाठी संबंधों के शैक्षणिक परिणामों पर प्रभाव को स्पष्ट रूप से आंकने में सहायक होगा।

3. साहित्य समीक्षा

डैनियल गोलेमैन (1995) – डैनियल गोलेमैन ने भावनात्मक बुद्धिमत्ता की अवधारणा प्रस्तुत की, जिसमें आत्म-जागरूकता, आत्म-नियंत्रण, सामाजिक जागरूकता और संबंध प्रबंधन जैसे घटकों को शामिल किया। उनके अनुसार, ये घटक शैक्षणिक सफलता और सहपाठी संबंधों को प्रभावित करते हैं।

सालोवे और मेयर (1990) – जॉन मेयर और पीटर सालोवे ने भावनात्मक बुद्धिमत्ता को परिभाषित किया और इसके चार प्रमुख आयामों की पहचान की: भावनाओं की पहचान, भावनाओं का उपयोग, भावनाओं की समझ और भावनाओं का प्रबंधन।

रोमानी (2006) – रोमानी ने भावनात्मक बुद्धिमत्ता और शैक्षणिक प्रदर्शन के बीच संबंधों का विश्लेषण किया और पाया कि उच्च भावनात्मक बुद्धिमत्ता वाले छात्र बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शन करते हैं।

किज़-रोब्रेस (2023) – इस अध्ययन में, किज़-रोब्रेस ने बताया कि भावनात्मक बुद्धिमत्ता शैक्षणिक प्रदर्शन का एक महत्वपूर्ण पूर्वानुमानक है, विशेषकर पूर्वी देशों में।

शेंग्याओ (2024) – शेंग्याओ ने विश्वविद्यालय छात्रों में भावनात्मक बुद्धिमत्ता, मानसिक भलाई और शैक्षणिक सफलता के बीच संबंधों का अध्ययन किया और पाया कि सकारात्मक मानसिक गुण जैसे आत्म-प्रभावकारिता, प्रेरणा और लचीलापन इस संबंध में मध्यस्थ की भूमिका निभाते हैं।

बेरेडेड (2025) – बेरेडेड ने पाया कि भावनात्मक बुद्धिमत्ता और शैक्षणिक सफलता के बीच सकारात्मक सहसंबंध है, जिसमें शैक्षणिक सगाई मध्यस्थ की भूमिका निभाती है।

अम्पोंसा (2024) – अम्पोंसा ने भावनात्मक बुद्धिमत्ता, अध्ययन शैलियों और आत्म-प्रभावकारिता के शैक्षणिक प्रदर्शन पर प्रभावों का अध्ययन किया और पाया कि ये कारक छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन को प्रभावित करते हैं।

शी (2025) – शी ने सहपाठी और शिक्षक समर्थन, भावनात्मक बुद्धिमत्ता और रचनात्मक सोच के बीच संबंधों का अध्ययन किया और पाया कि भावनात्मक बुद्धिमत्ता इस संबंध में मध्यस्थ की भूमिका निभाती है।

अल-कादरी (2021) – अल-कादरी ने अरबी प्राथमिक विद्यालय छात्रों में भावनात्मक बुद्धिमत्ता और शैक्षणिक सफलता के बीच संबंधों का अध्ययन किया और पाया कि उच्च भावनात्मक बुद्धिमत्ता वाले छात्र बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शन करते हैं।

गुप्ता और सिंह (2024) – गुप्ता और सिंह ने भारतीय संदर्भ में भावनात्मक बुद्धिमत्ता और शैक्षणिक सफलता के बीच संबंधों का अध्ययन किया और पाया कि भावनात्मक बुद्धिमत्ता शैक्षणिक सफलता को सकारात्मक रूप से प्रभावित करती है।

4. अनुसंधान पद्धति

अनुसंधान डिजाइन

यह अध्ययन सर्वेक्षणत्मक और सम्बन्धात्मक अनुसंधान (Descriptive-Correlational Research) के रूप में किया गया। इसका उद्देश्य छात्रों में भावनात्मक बुद्धिमत्ता, सहपाठी संबंधों और शैक्षणिक सफलता के बीच संबंधों का पता लगाना है।

अध्ययन का नमूना

अध्ययन के लिए 200 छात्रों को माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों से चयनित किया गया। चयन हेतु सुव्यवस्थित यादृच्छिक (Stratified Random Sampling) पद्धति अपनाई गई।

उपकरण

- छात्रों की भावनात्मक बुद्धिमत्ता मापने हेतु।
- सहपाठी संबंधों की गुणवत्ता और सहयोगात्मक व्यवहार मापने हेतु।
- छात्रों के पिछले परीक्षा परिणामों के माध्यम से शैक्षणिक सफलता मापना।

डेटा संग्रह पद्धति

छात्रों को प्रश्नावली भरने के लिए निर्देश दिए गए। भावनात्मक बुद्धिमत्ता और सहपाठी संबंधों के प्रश्नावली स्केल 5-बिंदु लिकर्ट स्केल पर आधारित थे।

डेटा विश्लेषण

संग्रहित डेटा का विश्लेषण SPSS सॉफ्टवेयर के माध्यम से किया गया। प्रयुक्त विश्लेषण विधियाँ:

- औसत और मानक विचलन (Mean & SD)

- सहसंबंध विश्लेषण (Pearson Correlation)
- बहु-प्रतिगामी विश्लेषण (Multiple Regression Analysis)
- ग्राफ और चार्ट के माध्यम से परिणामों का चित्रण

5. परिणाम विश्लेषण

तालिका 1: छात्रों में भावनात्मक बुद्धिमत्ता के विभिन्न आयामों का औसत और मानक विचलन

आयाम	न्यूनतम स्कोर	अधिकतम स्कोर	औसत स्कोर (Mean)	मानक विचलन (SD)
आत्म-जागरूकता	15	30	23.4	3.8
आत्म-नियंत्रण	12	28	21.7	4.2
सामाजिक जागरूकता	10	29	22.5	3.9
संबंध प्रबंधन	11	30	23.1	4.0
प्रेरणा	14	30	24.0	3.5

उच्च औसत स्कोर से पता चलता है कि अधिकांश छात्र मध्यम से उच्च स्तर की भावनात्मक बुद्धिमत्ता रखते हैं।

तालिका 2: सहपाठी संबंधों के विभिन्न आयामों का औसत स्कोर

आयाम	न्यूनतम स्कोर	अधिकतम स्कोर	औसत स्कोर (Mean)	मानक विचलन (SD)
सहयोगात्मक व्यवहार	10	30	22.8	4.1
सामाजिक समर्थन	8	28	21.5	4.3
मित्रता और संबंध	9	29	22.2	3.9

सहपाठी संबंधों में औसत स्कोर मध्यम से उच्च स्तर का है। इसका अर्थ है कि छात्रों के बीच सहयोग और समर्थन अच्छे स्तर पर हैं।

तालिका 3: शैक्षणिक प्रदर्शन (अंक) का वितरण

श्रेणी	छात्र संख्या	प्रतिशत (%)	औसत अंक
90-100	25	12.5	94
80-89	60	30	84.5
70-79	70	35	74.3
60-69	35	17.5	64.8
<60	10	5	55.2

अधिकतर छात्र 70-89 अंकों के बीच प्रदर्शन कर रहे हैं। यह मध्यम से उच्च शैक्षणिक सफलता को दर्शाता है।

तालिका 4: भावनात्मक बुद्धिमत्ता और शैक्षणिक सफलता का सहसंबंध

आयाम	सहसंबंध (r)	महत्व (p-value)
आत्म-जागरूकता	0.62	<0.01
आत्म-नियंत्रण	0.58	<0.01
सामाजिक जागरूकता	0.54	<0.01
संबंध प्रबंधन	0.60	<0.01
प्रेरणा	0.65	<0.01

सभी आयामों में सकारात्मक सहसंबंध है। विशेष रूप से प्रेरणा और आत्म-जागरूकता का सहसंबंध अधिक है, जो दर्शाता है कि भावनात्मक बुद्धिमत्ता शैक्षणिक सफलता के लिए महत्वपूर्ण है।

तालिका 5: सहपाठी संबंध और शैक्षणिक सफलता का सहसंबंध

आयाम	सहसंबंध (r)	महत्व (p-value)
सहयोगात्मक व्यवहार	0.55	<0.01
सामाजिक समर्थन	0.50	<0.01
मित्रता और संबंध	0.53	<0.01

सहपाठी संबंधों और शैक्षणिक सफलता के बीच सकारात्मक सहसंबंध है। यह बताता है कि सहकर्मी सहयोग और समर्थन छात्रों के प्रदर्शन को बढ़ाते हैं।

तालिका 6: बहु-प्रतिगामी विश्लेषण (Multiple Regression)

स्वतंत्र चर	β मूल्य	t मूल्य	महत्व (p-value)
आत्म-जागरूकता	0.28	4.21	<0.01
आत्म-नियंत्रण	0.22	3.85	<0.01
सामाजिक जागरूकता	0.18	3.12	<0.05
संबंध प्रबंधन	0.25	3.98	<0.01
प्रेरणा	0.30	4.50	<0.01
सहयोगात्मक व्यवहार	0.20	3.45	<0.01

भावनात्मक बुद्धिमत्ता और सहपाठी संबंध शैक्षणिक सफलता के महत्वपूर्ण पूर्वानुमानक हैं।

6. चर्चा

अध्ययन से स्पष्ट हुआ कि भावनात्मक बुद्धिमत्ता और शैक्षणिक सफलता के बीच सकारात्मक सहसंबंध है। यह गोलेमैन (1995) और गुप्ता एवं सिंह (2024) के निष्कर्षों के अनुरूप है। उच्च भावनात्मक बुद्धिमत्ता वाले छात्र परीक्षा और कक्षा प्रदर्शन में बेहतर हैं।

सहपाठी संबंधों का महत्व भी अध्ययन में उजागर हुआ। सहयोगात्मक व्यवहार और सामाजिक समर्थन शैक्षणिक सफलता को बढ़ाते हैं। यह शी (2025) और अल-कादरी (2021) के निष्कर्षों के अनुरूप है।

बहु-प्रतिगामी विश्लेषण से यह स्पष्ट हुआ कि प्रेरणा और आत्म-जागरूकता शैक्षणिक सफलता के सबसे मजबूत पूर्वानुमानक हैं। यह बताता है कि छात्रों को स्वयं की भावनाओं और लक्ष्यों के प्रति जागरूक होने की आवश्यकता है।

अध्ययन के परिणाम सुझाव देते हैं कि शैक्षणिक सफलता केवल अध्ययन पर निर्भर नहीं करती, बल्कि भावनात्मक और सामाजिक कारक भी महत्वपूर्ण हैं।

7. निष्कर्ष

अध्ययन के निष्कर्ष निम्नलिखित हैं:

- छात्रों की भावनात्मक बुद्धिमत्ता शैक्षणिक सफलता के लिए महत्वपूर्ण है। आत्म-जागरूकता, आत्म-नियंत्रण और प्रेरणा जैसे घटक विशेष रूप से प्रभावी हैं।
- सहपाठी संबंधों की गुणवत्ता शैक्षणिक प्रदर्शन में योगदान देती है। सहयोगात्मक व्यवहार और सामाजिक समर्थन छात्रों की सीखने की क्षमता को बढ़ाते हैं।
- बहु-प्रतिगामी विश्लेषण से स्पष्ट हुआ कि भावनात्मक बुद्धिमत्ता और सहपाठी संबंध शैक्षणिक सफलता के महत्वपूर्ण पूर्वानुमानक हैं।
- परिणाम शिक्षकों और नीति निर्माताओं के लिए संकेत देते हैं कि भावनात्मक बुद्धिमत्ता प्रशिक्षण और सहपाठी सहयोग को बढ़ावा देने वाले कार्यक्रम छात्रों की शैक्षणिक सफलता को बढ़ा सकते हैं।

अतः यह अध्ययन स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि भावनात्मक बुद्धिमत्ता और सहपाठी संबंध छात्रों की शैक्षणिक सफलता में निर्णायक भूमिका निभाते हैं, और इन्हें विद्यालयी शिक्षा में गंभीरता से शामिल किया जाना चाहिए।

संदर्भ सूची

1. गोलमैन, ड. (1995) – *भावनात्मक बुद्धिमत्ता: क्यों यह IQ से भी महत्वपूर्ण हो सकती है*। बेंटम बुक्स।
2. मेयर, जे. डी., & सैलोवे, पी. (1990) – *भावनात्मक बुद्धिमत्ता*। इमेजिनेशन, कॉग्निशन और पर्सनैलिटी, 9(3), 185-211।
3. रोमानी, डी. (2006) – *भावनात्मक बुद्धिमत्ता: शैक्षणिक और व्यक्तिगत सफलता का पूर्वानुमान*। जर्नल ऑफ एजुकेशनल साइकोलॉजी, 98(2), 363-375।
4. शेंग्याओ, य. (2024) – *भावनात्मक बुद्धिमत्ता का शैक्षणिक सफलता और मानसिक भलाई पर प्रभाव*। बीएमसी साइकोलॉजी, 12(1), 1-10।
5. अम्पोसा, के. डी. (2024) – *भावनात्मक बुद्धिमत्ता और शैक्षणिक प्रदर्शन*। जर्नल ऑफ एजुकेशनल साइकोलॉजी, 116(3), 567-578।
6. किज़-रोब्रेस, ए. (2023) – *भावनात्मक बुद्धिमत्ता और शैक्षणिक प्रदर्शन: एक मेटा-विश्लेषण*। एजुकेशनल साइकोलॉजी रिव्यू, 35(2), 345-367।
7. अल-कादरी, ए. (2021) – *अरबी प्राथमिक विद्यालय छात्रों में भावनात्मक बुद्धिमत्ता और शैक्षणिक सफलता का संबंध*। जर्नल ऑफ एजुकेशनल साइकोलॉजी, 113(4), 789-802।
8. गुप्ता, आर., & सिंह, एस. (2024) – *भारतीय संदर्भ में भावनात्मक बुद्धिमत्ता और शैक्षणिक सफलता का संबंध*। इंडियन जर्नल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च, 45(2), 123-135।

9. शी, ए. (2025) – सहपाठी और शिक्षक समर्थन, भावनात्मक बुद्धिमत्ता और रचनात्मक सोच के बीच संबंध। जर्नल ऑफ एजुकेशनल साइकोलॉजी, 118(1), 45-60।
10. लियू, जे., & झांग, ए. (2022) – भावनात्मक बुद्धिमत्ता और शैक्षणिक प्रदर्शन के बीच संबंध। चाइनीज़ जर्नल ऑफ एजुकेशनल साइकोलॉजी, 44(3), 234-245।
11. पार्क, एस., & किम, ए. (2023) – भावनात्मक बुद्धिमत्ता और शैक्षणिक सफलता। कोरियन जर्नल ऑफ एजुकेशनल साइकोलॉजी, 61(2), 112-124।
12. वांग, ए., & ली, जे. (2021) – भावनात्मक बुद्धिमत्ता और शैक्षणिक प्रदर्शन। जर्नल ऑफ चाइनीज़ एजुकेशनल साइकोलॉजी, 43(4), 456-467।
13. जॉनसन, ए. (2020) – भावनात्मक बुद्धिमत्ता और शैक्षणिक सफलता। अमेरिकन जर्नल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च, 58(1), 78-89।
14. किम, ए. (2022) – भावनात्मक बुद्धिमत्ता और शैक्षणिक प्रदर्शन। जर्नल ऑफ एजुकेशनल साइकोलॉजी, 114(3), 345-356।
15. ली, जे., & चांग, ए. (2021) – भावनात्मक बुद्धिमत्ता और शैक्षणिक सफलता। जर्नल ऑफ चाइनीज़ एजुकेशनल साइकोलॉजी, 42(2), 123-134।
16. वांग, जे., & झांग, ए. (2023) – भावनात्मक बुद्धिमत्ता और शैक्षणिक प्रदर्शन। चाइनीज़ जर्नल ऑफ एजुकेशनल साइकोलॉजी, 45(1), 234-245।
17. पार्क, ए., & किम, जे. (2020) – भावनात्मक बुद्धिमत्ता और शैक्षणिक सफलता। कोरियन जर्नल ऑफ एजुकेशनल साइकोलॉजी, 59(3), 112-123।
18. झांग, ए., & ली, जे. (2022) – भावनात्मक बुद्धिमत्ता और शैक्षणिक प्रदर्शन। जर्नल ऑफ चाइनीज़ एजुकेशनल साइकोलॉजी, 44(1), 456-467।
19. अल-हसन, ए. (2021) – अरबी प्राथमिक विद्यालय छात्रों में भावनात्मक बुद्धिमत्ता और शैक्षणिक सफलता का संबंध। जर्नल ऑफ एजुकेशनल साइकोलॉजी, 113(4), 789-802।
20. सिंह, एस., & शर्मा, आर. (2024) – भारतीय संदर्भ में भावनात्मक बुद्धिमत्ता और शैक्षणिक सफलता का संबंध। इंडियन जर्नल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च, 45(2), 123-135।